

**पत्र सूचना शाखा**  
**सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०**

**राज्यपाल ने सृजन-2015 कार्यक्रम में बताये सफलता के चार मंत्र**

लखनऊ: 26 दिसम्बर, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज यहाँ गन्ना संस्थान के प्रेक्षागृह में सन्मार्ग इवेन्ट एण्ड एडवर्टाईजिंग प्रा० लि० द्वारा आयोजित सृजन-2015 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफल होने के लिए चार मंत्रों पर अमल करना चाहिए। हमेशा मुस्कराते रहो, दूसरों के नेक एवं अच्छे/महान कार्यों की प्रशंसा करनी चाहिए, किसी भी व्यक्ति की अवमानना अथवा निन्दा नहीं करनी चाहिए तथा हर अच्छे काम को और बेहतर ढंग से करना चाहिए। इससे पूर्व सन्मार्ग इवेन्ट एण्ड एडवर्टाईजिंग प्रा० लि० के पदाधिकारियों, छात्र-छात्राओं तथा गणमान्य नागरिकों एवं अभिभावकों ने श्री राज्यपाल को पुष्प गुच्छ देकर भव्य स्वागत किया। आयोजकों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

श्री राज्यपाल ने सृजन-2015 के आयोजकों तथा प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि सृजन कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं, प्रौढ़ तथा वयोवृद्ध व्यक्तियों की उपस्थिति का अनोखा संगम है। इसमें तीन पीढ़ियों का अद्भुत परिदृश्य परिलक्षित हो रहा है। छात्राओं ने जो कार्यक्रम प्रदर्शित किये हैं वह भी अद्भुत तथा छात्राओं की विलक्षण प्रतिभा का परिचायक है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि विलक्षण प्रतिभा सम्पन्न बच्चों के कार्यक्रमों ने ही सम्पूर्ण सृजन-2015 के सफल आयोजन की प्रमाणिकता सिद्ध कर दी है।

राज्यपाल श्री राम नाईक ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा जनतांत्रिक देश है। यहाँ युवकों की संख्या सर्वाधिक है। भारत युवाओं का देश है। सभी देशवासियों को मिलकर राष्ट्र की एकता, अखण्डता, सुख-समृद्धि एवं सर्व शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बनाने में सक्रिय योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह संयोग कि बात है कि 25 दिसम्बर प्रभु यीशु मसीह, पंडित मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म दिन है अर्थात् दिसम्बर माह महापुरुषों के अवतरित होने का पवित्र महीना है।

श्री नाईक ने सृजन कार्यक्रम 2015 के आयोजकों तथा सहयोगियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं, डॉ० शक्ति कुमार पाण्डेय, सर्वश्री हिमान्शु पाण्डेय, अमित अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, गौरव प्रकाश, कुशल भार्गव, रेखा अग्रवाल, अमृत शर्मा, बलवीर सिंह, रूपाली सचान, वाई०पी० दत्ता, आशीष चन्द्रा, वाई०के० गुप्ता, पी०के० दत्ता, रेखा अग्रवाल, पवन अग्रवाल, संयोगी पाण्डेय एवं अमित कुमार के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की।

-----



